mercredi 11 avril 2012

HIN1B08b

(Compréhension de l'écrit)

Cours – 10

मूर्ख बातूनी कछुआ - पंचतंत्र की कहानियाँ

एक तालाब में एक कछुआ रहता था। उसी तलाब में दो हंस तैरने के लिए उतरते थे। हंस बहुत हँसमुख और मिलनसार थे। कछुए और उनमें दोस्ती होते देर न लगी। हंसों को कछुए का धीमे-धीमे चलना और उसका भोलापन बहुत अच्छा लगा। हंस बहुत ज्ञानी भी थे। वे कछुए को अदभुत बातें बताते। ऋषि-मुनियों की कहानियाँ सुनाते। हंस तो दूर-दूर तक घूमकर आते थे, इसलिए दूसरी जगहों की अनोखी बातें कछुए को बताते। कछुआ मंत्रमुग्ध होकर उनकी बातें सुनता। बाकी तो सब ठीक था, पर कछुए को बीच में टोका-टाकी करने की बहुत आदत थी। अपने सज्जन स्वभाव के कारण हंस उसकी इस आदत का बुरा नहीं मानते थे। उन तीनों की घनिष्टता बढती गई। दिन गुजरते गए।

एक बार बड़े जोर का सूखा पड़ा । बरसात के मौसम में भी एक बूंद पानी नहीं बरसा । उस तालाब का पानी सूखने लगा । प्राणी मरने लगे, मछलियां तो तड़प-तड़पकर मर गईं । तालाब का पानी और तेजी से सूखने लगा । एक समय ऐसा भी आया कि तालाब में खाली कीचड़ रह गया । कछुआ बड़े संकट में पड़ गया । जीवन-मरण का प्रश्न खड़ा हो गया। वहीं पड़ा रहता तो कछुए का अंत निश्चित था । हंस अपने मित्र पर आए संकट को दूर करने का उपाय सोचने लगे । वे अपने मित्र कछुए को ढाढ़स बंधाने का प्रयत्न करते और हिम्मत न हारने की सलाह देते । हंस केवल झूठा दिलासा नहीं दे रहे थे। वे दूर-दूर तक उड़कर समस्या का हल ढूढ़ते। एक दिन लौटकर हंसो ने कहा "मित्र, यहां से पचास कोस दूर एक झील हैं।उसमें काफी पानी हैं तुम वहाँ मजे से रहोगे।" कछुआ रोनी आवाज में बोला "पचास कोस ? इतनी दूर जाने में मुझे महीनों लगेंगे। तब तक तो मैं मर जाऊँगा।"

कछुए की बात भी ठीक थी। हंसो ने अक्ल लड़ाई और एक तरीका सोच निकाला।वे एक लकड़ी उठाकर लाए और बोले "मित्र, हम दोनों अपनी चोंच में इस लकड़ी के सिरे पकड़कर एक साथ उड़ेंगे। तुम इस लकड़ी को बीच में से मुँह से थामे रहना। इस प्रकार हम उस झील तक तुम्हें पहुँचा देंगे उसके बाद तुम्हें कोई चिन्ता नहीं रहेगी।"

उन्होंने चेतावनी दी "पर याद रखना, उड़ान के दौरान अपना मुंह न खोलना। वरना गिर पड़ोगे।"

कछुए ने हामी में सिर हिलाया। बस, लकड़ी पकड़कर हंस उड़ चले। उनके बीच में लकड़ी मुँह दाबे कछुआ। वे एक कस्बे के ऊपर से उड़ रहे थे कि नीचे खड़े लोगों ने आकाश में अदभुत नजारा देखा। सब एक दूसरे को ऊपर आकाश का दृश्य दिखाने लगे। लोग दौड़-दौड़कर अपने छज्जों पर निकल आए। कुछ अपने मकानों की छतों की ओर दौड़े। बच्चे, बूढ़े, औरतें व जवान सब ऊपर देखने लगे। खूब शोर मचा। कछुए की नजर नीचे उन लोगों पर पड़ी।

उसे आश्चर्य हुआ कि उन्हें इतने लोग देख रहे हैं। वह अपने मित्रों की चेतावनी भूल गया और चिल्लाया "देखो, कितने लोग हमें देख रहे है!" मुँह के खुलते ही वह नीचे गिर पड़ा। नीचे उसकी हड्डी-पसली का भी पता नहीं लगा।

Vocabulaire

मूर्ख-m stupide
बातूनी bavard
कछुआ-m tortue
तालाब-m réservoir
हंस-m cygne
हँसमुख jovial
मिलनसार sociable
भोलापन-m innocence
ज्ञानी-m sage
अदभुत merveilleux
ऋषि-मुनि-m sages
अनोखा étrange
मंत्रमुग्ध hypnotisé
टोकना interrompre
सज्जन-m messieurs
स्वभाव-m nature
आदत-f habitude
बुरा मानना prendre mal
घनिष्टता-f proximité
सूखा-m famine
बूंद-f goutte
प्राणी-m être vivant
तड़पना souffrir
कीचड़-f boue
संकट-m crise
जीवन-मरण-m vie-mort
अंत-m fin
निश्चित déterminé
ढाढ़स बंधाना encourager
प्रयत्न-m essai
सलाह-f conseil
झूठ-m mensonge
दिलासा-f देना consoler
समस्या-f problème
हल-m solution
कोस-m distance
झील-f lac
महीना-m mois
अक्ल लड़ाना réfléchir
तरीका manière
चोंच-f bec
सिरा-m bout
थामना tenir
चिन्ता-f souci
चेतावनी-f avertissement
उड़ान-f vol
हामी-f assentiment
दाबाना presser
कस्बा-m petite ville
आकाश-m ciel
दृश्य-m vue
छज्जा-m balcon
छत-f toit
शोर-m vacarme
आश्चर्य-m étonnement
हड्डी-f os
पसली-f côte